

‘जीवन को अच्छा बनाने के लिए अकषाय की साधना करें’

- युवाचार्य श्री महाश्रमण

बीदासर, 17 मार्च, 2009।

“शस्त्र उत्तरोत्तर तीक्ष्ण होता है और अशस्त्र उत्तरोत्तर तीक्ष्ण नहीं होता है। एक शस्त्र कम प्रहार करने वाला है तो उससे तेज प्रहार करने वाला शस्त्र भी होता है। पाषाण युगीन शस्त्र और आज के परमाणु युग के शस्त्र को देखें तो उनमें बहुत विकास हुआ है। परंतु मनुष्य के भीतर के शस्त्र को देखा जाए कि उसमें कितना विकास हुआ है, यह जानना भी अपेक्षित है।”

उक्त विचार युवाचार्यप्रवर ने तेरापंथ भवन में उपस्थित धर्मसभा को जैन वांगमय सूत्रों का उल्लेख करते हुए फरमाया।

युवाचार्यप्रवर ने फरमाया कि जैन वांगमय में अविरति को भावशस्त्र माना गया है। जिस व्यक्ति में त्याग, संयम नहीं है वह व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। कषाय, राग-द्वेष आदि भाव शस्त्र हैं। बाहर अधिर पर जो हिंसा होती है वह पहले मनुष्य के दिमाग में उभरती है। समरांगण में युद्ध बाद में होता है किंतु पहले आदमी के दिमाग में युद्ध की प्लानिंग होती है फिर उसकी अभिव्यक्ति समरांगण में हो जाती है। भाव शस्त्र बड़ा महत्वपूर्ण है। तलवार, बंदूक व्यक्ति के पास में है और भावों में हिंसा नहीं है तो वह तलवार, बंदूक से कोई हिंसा नहीं कर सकता। मूलतः व्यक्ति के भावों में हिंसा और अहिंसा चेतना होती है।

युवाचार्यश्री ने अशस्त्र की साधना के लिए उपस्थित धर्मसभा को फरमाया - “कषाय एक शस्त्र है उसमें तीव्रता और मंदता में अंतर पड़ सकता है। आदमी यह ध्यान दे कि मेरे भीतर में जो कषाय रूपी शस्त्र है उस शस्त्र को मैं कैसे अशस्त्र की दिशा में आगे बढ़ाऊं और अपनी आत्मा को कषाय के द्वारा हनन होने से बचाने का प्रयास करूं। भीतर में कषाय का शस्त्र है तो बाहर में झगड़ा होता है, वैमनस्य की स्थिति पैदा होती है। जिसका कषाय मंद है उसका व्यवहार अच्छा रहेगा। व्यक्ति अपने जीवन में अकषाय अथवा अशस्त्र की साधना का अभ्यास करे तो जीवन अच्छा बन सकता है।”

इस अवसर पर स्थानीय श्री गणेशमल बैंगानी को नौ दिवसीय तपस्या के उपलक्ष में स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल अध्यक्षा श्रीमती शांतिदेवी बांठिया, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री चौथमल बौधरा, आचार्य महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के सहअध्यक्ष श्री हनुमानमल सेखानी द्वारा अलग-अलग साहित्य भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुनिश्री मोहजीत कुमारजी ने किया।

- अशोक सियोल

99829 03770